



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 15 मार्च, 2004/25 फाल्गुन, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 28 फरवरी, 2004

संख्या ई० एन० एन०-एफ (12) 5/95-III.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 (1968 का 24) की धारा 14 की उप-धारा (1-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वतः निर्धारण के लिए निम्नलिखित स्कीम अधिसूचित करते हैं, अर्थातः—

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना.—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर स्वतः निर्धारण सद्भावना स्कीम, 2004 है।

(2) यह पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों 2003-2004, निर्धारण वर्ष 2003-2004 और निर्धारण वर्ष 2003-2004 के पश्चात्पूर्व वर्षों के लिए लागू होगी।

2. परिभाषाएं.—(1) इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (i) “अधिनियम” से, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 अभिप्रेत है ;
- (ii) “निर्धारण वर्ष” से क्रमशः वित्तीय वर्ष के 31 मार्च, को समाप्त होने वाला वर्ष अभिप्रेत है ;
- (iii) “प्ररूप” से इस स्कीम से संलग्न एस0ए0 एस0-1 और एस0ए0 एस0-II प्ररूप अभिप्रेत है ; और
- (iv) “स्वतः निर्धारण” से स्वयं व्यौहारी द्वारा प्ररूप-1 में अधिनियम और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन, कर का निर्धारण अभिप्रेत है ।

(2) अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं, किन्तु इस स्कीम में परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो इस अधिनियम, और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 और तद्धीन बनाए गए नियमों में उनके हैं ।

3. पात्रता की शर्तें.—व्यौहारी इस स्कीम के अधीन स्वतः निर्धारण के लिए तभी पात्र होगा यदि :—

- (i) निर्धारण वर्ष के लिए उसकी सकल आवर्त दस लाख रुपये से अधिक नहीं है ;
- (ii) उसे अधिनियम के अधीन कम से कम 2 वर्ष की अवधि के लिए रजिस्ट्रीकृत किया गया हो ;
- (iii) यदि वह पूर्णतः या भागतः उस माल में व्यौहार करता है :—

(क) जिसकी बावत बिक्री के प्रथम चरण पर कर का भुगतान हुआ है, 2003-2004 से आरम्भ होने वाले प्रत्येक पञ्चात्वर्ती वर्ष के दौरान उसका सकल आवर्त पूर्ववर्ती क्रमिक वर्ष की तुलना में कोई कमी नहीं दर्शाता है ; और

(ख) जो बिक्री के प्रथम चरण पर उस द्वारा कर के लिए दायी है, 2003-2004 से आरम्भ होने वाले प्रत्येक निर्धारण वर्ष के दौरान उसका सकल आवर्त और उस द्वारा संदेय कर दोनों पूर्ववर्ती क्रमिक वर्ष की तुलना में बढौत्तरी दर्शाते हों ।

(iv) वर्ष 2003-04 से पूर्व प्रत्येक निर्धारण वर्ष के दौरान उसका सकल आवर्त पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कोई कमी नहीं दर्शाता है ;

(v) उसने अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार कर के लम्बित संदाय के लिए व्याज और न्यूनतम शास्ति सहित अधिनियम की धारा 12 के उपबन्धों के अनुसार विवरणियां दाखिल कर दी हैं और कर संदत्त कर दिया है ;

(vi) उसने अधिनियम की धारा 42 और 42-क के अधीन जारी किसी अधिसूचना के अनुसार निर्धारण वर्ष के दौरान छूट का कोई प्रोत्साहन या कर का आस्थानन प्राप्त नहीं किया है ;

(vii) उसने निर्धारण वर्ष के लिए कर के कितनी प्रतिदाय का दावा नहीं किया है और उसे निर्धारण वर्ष, जिसके लिए स्वतः निर्धारण किया गया है, के दौरान कर के अपवर्जन के लिए नहीं पकड़ा है या उसने कर का अपवर्जन नहीं किया है ;

परन्तु यह कि व्यौहारियों के निम्नलिखित प्रवर्ग इस स्कीम के अन्तर्गत नहीं होंगे :—

(क) नया रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी जिसके मामले में कोई नियमित निर्धारण नहीं किया गया है ; और

(ख) व्यौहारी जिसका कारबार बन्द हो गया है और उसके कारबार के अन्तिम वर्ष के लिए निर्धारण किया जाना है ।

4. पात्र व्योहारियों द्वारा स्वतः निर्धारण इत्यादि की विवरणी दाखिल करना और लघु व्योहारियों के लिए अपवाद.—इस स्कीम के अधीन स्वतः निर्धारण के लिए पात्र व्योहारी स्वतः निर्धारण स्कीम प्ररूप-I में स्वतः निर्धारण की विवरणी को दो प्रतियों में और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन व्यापार लेखे और वैधानिक घोषणाएं और प्रमाण-पत्रों के साथ स्वतः निर्धारण स्कीम में अन्य व्योहारियों से निर्धारण वर्ष के दौरान विक्रय के लिए खरीदी/प्राप्त की वस्तुओं की विवरणी समुचित निर्धारण प्राधिकारी को 31 मार्च, 2004 तक निर्धारण वर्ष 2003-04 से पूर्ववर्ती किसी निर्धारण वर्ष के लिए और निर्धारण वर्ष 2002-2003 के आगामी 31 मार्च तक प्रत्येक पश्चात्पूर्ती निर्धारण वर्ष तक दाखिल कर सकेगा :

परन्तु यह कि व्योहारी जिसका सकल आवर्त निर्धारण वर्ष के दौरान दस लाख रुपये तक का है, से प्ररूप एस0ए0एस0-II भाग-I में सूचना को दाखिल करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी । किन्तु वह निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा :—

मैं/हम एतद्वारा घोषित करते हैं कि मेरे/हमारे पास प्ररूप एस0टी0 XXV में समस्त प्रमाण-पत्र और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन विहित घोषणाएं मेरे/हमारे कब्जे में हैं, जिन्हें निर्धारण वर्ष के समाप्त होने से तीन वर्ष की अवधि के लिए परिरक्षित रखा जाएगा ।

5. निर्धारण प्राधिकारी द्वारा प्राप्ति की अभिस्वीकृति.—समुचित निर्धारण प्राधिकारी यथास्थिति द्विप्रतिक में व्यापार लेखे सहित स्वतः निर्धारण स्कीम प्ररूप-I या II या दोनों की प्राप्ति पर व्योहारी को अपने हस्ताक्षर और कार्यालय की मोहर सहित उसका अभिस्वीकृति देगा ।

6. कतिपय मामलों के सिवाए स्वतः निर्धारण की अभिस्वीकृति विवरणी अन्तिम निर्धारण आदेश होगी.—इस स्कीम के पैरा-7 के उपबन्धों के अध्वधीन व्योहारी द्वारा स्वतः निर्धारण स्कीम प्ररूप एस0ए0एस0-I में दाखिल स्वतः निर्धारण की विवरणी जो कि समुचित निर्धारण प्राधिकारी द्वारा सम्पक् रूप से अभिस्वीकृति हो, अधिनियम के अधीन निर्धारण आदेश समझी जाएगी, सिवाए जबकि अभिलेख पर विद्यमान निश्चित सूचना है कि व्योहारी के निर्धारण वर्ष के दौरान अपने आवर्त के किसी भाग का छिपाया है या अधिनियम के अधीन देय कर का अपवर्चन किया है या किसी घोषणा प्ररूप का दुरुपयोग किया है ।

7. निर्धारण प्राधिकारी द्वारा कतिपय मामलों की संवीक्षा करना.—इस स्कीम में किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी पैरा 4 के अधीन आयुक्त के आदेश के अध्वधीन दाखिल की गई स्वतः निर्धारण विवरणी प्राप्त मामलों की कुल संख्या के 20 प्रतिशत तक नियमित निर्धारण के लिए यदा-कदा नमूने (रेन्डम सैम्पलिंग) के अध्वधीन होंगे और ऐसे यदा-कदा नमूने (रेन्डम सैम्पलिंग) लेकर, 31 मई, 2004 तक, निर्धारण वर्ष 2003-04 के किसी पूर्ववर्ती निर्धारण वर्ष और निर्धारण वर्ष 2002-2003 के प्रत्येक पश्चात्पूर्ती निर्धारण वर्ष के लिए अगले 30 जून तक पूर्ण किया जाएगा :

परन्तु यह कि व्योहारियों का सकल आवर्त 10 लाख तक होने की दशा में, ऐसे यदा-कदा नमूने (रेन्डम सैम्पलिंग) 5 प्रतिशत तक होंगे ।

8. व्योहारी द्वारा घोषणाएं इत्यादि दाखिल करना अपेक्षित नहीं है.—यदि इस स्कीम के अन्तर्गत स्वतः निर्धारण के लिए पात्र व्योहारी स्वतः निर्धारण स्कीम प्ररूप-I में स्वतः निर्धारण की विवरणी दाखिल करना चुनता है तो उससे अधिनियम की धारा 6-क में विनिर्दिष्ट घोषणा या प्रमाण-पत्र को समुचित निर्धारण प्राधिकारी को देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी किन्तु वह इसे निर्धारण वर्ष के समाप्त होने से 3 वर्ष की अवधि के लिए अपने पास परिरक्षित रखेगा :

परन्तु यह कि ऐसा व्योहारी केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन, यथास्थिति प्ररूप ग0घ0ड0-I, ड-II, च और ज में घोषणाओं और प्रमाण-पत्रों को समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा ।

9. अपवाद.—इस स्कीम में अन्तर्विष्ट कोई भी बात अधिनियम की धारा 15 और 31 के उपबन्धों की प्रयोज्यता को प्रभावित नहीं करेगी ।

10. निरसन और व्यावृत्ति.—(1) हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर स्वतः निर्धारण स्कीम सद्भावना- 2002 का एतद्वारा निरसन किया जाता है ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी ऐसी निरसित की गई स्कीम के अधीन की गई कोई बात या कार्यवाही या किया गया कोई आदेश, इस स्कीम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन किया गया समझा जाएगा ।

परिशिष्ट

प्ररूप-एस0 ए0 एस0-1

[पैरा 2 और पैरा 4 का खण्ड (III) और (IV) देखें]

वर्षके लिए विक्रय कर के स्वतः निर्धारण का विवरण ।

व्योहारी का नाम

व्योहारी का पता

हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम/केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या

रखी हुई लेखा वहियाँ :

(i) , (ii)
(iii) , (iv)
(v) , (vi)

1. सकल आवर्त

रुपये

2. सकल आवर्त से कटौती :—

(i) अन्तरराज्यिक विक्री

रुपये

(ii) उपरोक्त (i) में सम्मिलित विक्रय कर की राशि
[धारा 6(3)(ख) के अधीन]

रुपये

(iii) कर मुक्त माल का आवर्त [धारा 6(3) क (i) के अधीन]

रुपये

(iv) कर संदत माल का आवर्त [धारा 6 (2) के परन्तुक के अधीन]

रुपये

(v) छूट प्राप्त माल का आवर्त [धारा 6 (3) (क) (v) और (vi) के अधीन]

रुपये

(vi) औद्योगिक इकाईयों को कच्चे माल के रूप में विक्रीत माल का आवर्त [धारा 42-ख के अधीन] उपरोक्त (i) से (ii) तक का जोड़

रुपये

3. कराधेय आवर्त (1-2) रुपये
4. कराधेय आवर्त पर कर का स्वतः निर्धारण [कर दर वार विभाजन (सपलिट-अप) दें] ।

	कराधेय आवर्त	निर्धारित कर
(i) 2 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त (अर्थात् धारा 42-ख के अधीन 1 प्रतिशत की रियायती दर पर औद्योगिक इकाइयों को कच्ची सामग्री आदि के रूप में विक्रीत माल का आवर्त) ।	रुपये	रुपये
(ii) 4 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त (अर्थात् सरकार को 4 प्रतिशत की रियायती दर पर विक्रीत माल का आवर्त)	रुपये	रुपये
(iii) 12 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(iv) 8 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(v) 4 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(vi) 3.5 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(vii) 3 प्रतिशत की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(viii) की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(ix) की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(x) की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
(xi) की दर से कराधेय आवर्त	रुपये	रुपये
5. (क) उपरोक्त 4 के अनुसार स्वतः निर्धारित कर की कुल रकम	रुपये	
(ख) धारा 17 के अधीन स्वैच्छिक संदत्त व्याज	रुपये	
(ग) देर से दाखिल की गई विवरणी के लिए धारा 12 के अधीन शास्ति	रुपये	
(घ) कुल रकम (क+ख+ग)	रुपये	
6. निर्धारित वर्ष के लिए संदत्त कर की रकम		

क्रम संख्या	चालान संख्या व तारीख	रकम	खजाना/बैंक
(i)			
(ii)			
(iii)			
(iv)	कुल	रुपये	

7. केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन विनिष्ठयां ।

(i) अन्तरराज्यिक बिक्री का सकल आवर्त	रुपये	खजाना/बैंक और
(ii) स्वतः निर्धारण केन्द्रीय विक्रय कर	रुपये	चालान संख्या
(iii) अन्य देय रकमें (यहां विनिष्ठिष्ट करें)	रुपये	और तारीख
(iv) संदत्त केन्द्रीय विक्रय कर	रुपये	

संदत्त किए गए कर की राशि स्वतः निर्धारण किए गए कर की राशि से कम नहीं होगी) ।

8. पूर्ववर्ती वर्ष/वर्षों के लिए संदत्त किए गए कर/सकल आवर्त का व्योरेकृत

वर्ष/वर्षों	प्रत्यावर्तित सकल आवर्त	संदत्त किया गया कर
	रुपये	रुपये
	रुपये	रुपये

9. क्या पूर्ववर्ती वर्ष में सकल आवर्त में बढ़ोतरी हुई है ?

हां/नहीं

10. क्या पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में निर्धारण वर्ष के दौरान संदत्त कर में बढ़ोतरी हुई है ?

हां/नहीं

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूं/करते हैं कि—

- (i) उपर्युक्त कथन (विवरण) सत्य और सही है और इसका कोई भी भाग मिथ्या नहीं है और इसमें कोई भी तथ्य छिपाया नहीं गया है
- (ii) मैं/हम प्ररूप एस0ए0एस0-1 में स्वतः निर्धारण विवरणी दाखिल करने के लिए पात्र है ;
- (iii) मेरे/हमारे पास धारा 6(2) (3) और अधिनियम के अन्य उपबन्धों में निर्दिष्ट समस्त घोषणाएं और प्रमाण-पत्र हैं । जिसके आधार पर दाखिल की गई विवरणियों में और यथा उपर्युक्त स्वतः निर्धारण विवरणियों पर विक्रय कर में छूट/रियायत का दावा किया गया और मैं/हम उस निर्धारण वर्ष की समाप्ति से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिरक्षित करने का वचन लेते हैं ;
- (iv) मैं/हम 10 लाख रुपये तक की सकल आवर्त के व्योहारी है और मैं/हम केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन विहित मेरे/हमारे कब्जे में सभी घोषणाएं/प्रमाण-पत्र रखते हैं ;

- (v) मैं/हम केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन यथा अपेक्षित घोषणाएं/प्रमाण-पत्र संलग्न कर रहे हैं ; और
(vi) निर्धारण वर्ष के बारे में व्यापार लेखा संलग्न है ।

व्यौहारी/स्वत्वधारी/भागीदार/प्राधिकृत
हस्ताक्षरकर्ता के मोहर सहित हस्ताक्षर ।

स्थान.....

तारीख.....

*जो लागू नहीं उसे काट दें ।

प्ररूप—एस0 ए0 एस0-II

भाग-I

[पैरा 2 का खण्ड (iii) और पैरा 4 और 5]

(निर्धारण वर्ष.....के दौरान केवल दस लाख रुपये से अनधिक सकलआवत वाले पात्र व्यौहारियों द्वारा दाखिल किया जाए) ।

(i) निर्धारण वर्ष के दौरान हिमाचल प्रदेश में अन्य व्यौहारियों से खरीदे गए समस्त माल का विवरण जिसके लिए प्ररूप एस0 टी0 XXV में प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जा चुका है और, (ii) हिमाचल प्रदेश के बाहर के व्यौहारियों से निर्धारण वर्ष के दौरान विक्रय के लिए प्राप्त किया समस्त माल ।

1. व्यौहारी का नाम और पता

2. रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या

क्रम संख्या	उक्त व्यौहारी का नाम व पता जिससे क्रय किया गया	संलग्न संख्या 2 में व्यौहारी का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या	संपूर्ण वर्ष के दौरान क्रयों की कुल रकम
-------------	--	---	---

1

2

3

4

[कृपया यदि स्थान अपर्याप्त है तो अतिरिक्त पेपर/कागज (शीट) लगाएं] कुल.....

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करते हैं कि उपर्युक्त कथन सत्य और पूर्ण है और मेरे/हमारे कब्जे में प्ररूप एस0 टी0 XXV में समस्त प्रमाण-पत्र हैं जिन्हें निर्धारण वर्ष की समाप्ति से तीन वर्ष की अवधि के लिए रखा जाएगा ।

व्यौहारी/स्वत्वधारी/भागीदार/प्राधिकृत
हस्ताक्षरकर्ता के मोहर सहित हस्ताक्षर ।

स्थान.....

तारीख.....

भाग-II

केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन संव्यवहारों की बाबत प्ररूप "ग", "घ", "ङ-I" या "ङ-II" या "च" और "छ" में घोषणा और प्रमाण-पत्र के व्यौरे दशति हुए कथन।

(पच्चास लाख रुपये तक की सकल आवर्त वाले व्यौहारियों द्वारा भरा जाना)।

क्रम संख्या	प्ररूप का प्रवर्ग	प्ररूपों की क्रम संख्या	रुपये	राशियां पैसे
1	2	3	4	

(कृपया यदि स्थान अपर्याप्त है तो अतिरिक्त पेपर/कागज संलग्न करें)।

घोषणा

मैं/हम एतद्द्वारा इसके साथ प्ररूप मूल रूप में संलग्न करता हूँ/करते हैं।

व्यौहारी/स्वामी/भागीदार/प्राधिकृत
हस्ताक्षरकर्ता के मुद्रा सहित हस्ताक्षर।

स्थान.....
तारीख.....

आबकारी एवं कराधान विभाग
हिमाचल प्रदेश

अभिस्वीकृति

मैसर्स.....से प्राप्त हुए जिसके पास रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या.....
.....है (पूरा पता).....।

- (क) प्ररूप एस0 ए0 एस0-I में स्वतः निर्धारण का विवरण ;
 *(ख) प्ररूप एस0 ए0 ए0-II के भाग-I में स्वतः निर्धारण क्रय की विवरणी।
 (यदि लागू हो) ;
 *(ग) व्यापार लेखा ;
 *(घ) एस0 ए0 एस0 प्ररूप II के भाग II में (व्याख्या सूची कवरिंग लिस्ट सहित) निर्धारण वर्ष
के लिए केन्द्रीय विक्री कर अधिनियम, 1956 के अधीन घोषणाएं और प्रमाण पत्र

यह विवरणी निम्नलिखित अन्तिम निर्धारण आदेश माना जाएगा जब तक कि स्वतः निर्धारण स्कीम के पैरा 6 के अधीन निर्धारण वर्ष 2003-2004 के किसी पूर्ववर्ती निर्धारित वर्ष और निर्धारण वर्ष 2002-2003 के

प्रत्येक पञ्चातवर्ती निर्धारण वर्ष के लिए आगामी 30 जून तक समुचित निर्धारण प्राधिकारी द्वारा 31 मई, 2004 तक उसे, कोई प्रतिकूल सूचना नहीं भेजी हो।

(i) सकल आवर्त :

रुपये

(ii) कर

रुपये

समुचित निर्धारण प्राधिकारी,

(मुद्रा) वृत्त।

..... जिला।

स्थान

तारीख

*जो लागू नहीं है काट दें।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

प्रधान सचिव (आबकारी एवं कराधान) हिमाचल प्रदेश सरकार।

[Authoritative english text of the Government Notification No. EXN-F (12) 5/95-III, dated 28-2-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Sihmala-2, the 28th February, 2004

No. EXN-F(12)5/95-III.—In exercise of the powers conferred by sub-section (I-A) of section 14 of the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 (Act No. 24 of 1968), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to notify the following Scheme for self-assessment namely:—

1. Short title and application.—(1) This Scheme may be called the Himachal Pradesh General Sales Tax Self-Assessment "Sadbhavana Scheme, 2004".

(2) It shall be applicable for any assessment year preceding assessment years 2003-2004, the assessment year 2003-2004 and the assessment years subsequent to the assessment year 2003-2004.

2. Definitions.—(1) In this Scheme, unless the context otherwise requires:—

- (i) "Act" means the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968;
- (ii) "assessment year" means the year ending on thirty first March of the respective financial year;
- (iii) "Form" means "Forms S. A. S -I and S. A. S-II" appended to this Scheme; and
- (iv) "self-assessment" means assessment of tax under the Act and the Central Sales Tax Act, 1956 as made by the dealer himself in Form S. A. S-I.

(2) All other words and expressions used but not defined in this Scheme, shall have the same meanings as assigned to them in the Act and the Central Sales Tax Act, 1956 and the rules framed thereunder.

3. *Conditions of eligibility.*—A dealer shall be eligible for self-assessment under this scheme only if :—

- (i) his gross turnover for the assessment year does not exceed ten lac rupees ;
- (ii) he has been registered under the Act for a minimum period of two years ;
- (iii) he wholly or partly deals in the goods:—
 - (a) Which have suffered tax at the first stage of sale, his gross turnover during every subsequent assessment year, commencing from 2003-04, does not show any decrease as compared to the respective previous year ; and
 - (b) which are liable to tax at his hands at the first stage of sale, his gross turnover and the tax payable by him during every assessment, year commencing from 2003-04, both show increase as compared to the respective previous year.
- (iv) during every assessment year prior to 2003-2004, his gross turnover does not show any decrease as compared to the previous year ;
- (v) he has filed the returns and paid the tax, in accordance with the provisions of section 12 of the Act, including interest and minimum penalty for belated payments of tax as per provisions of the Act ;
- (vi) he has not availed for any incentive of exemption of deferment of tax during the assessment year in accordance with any notification issued under section 42 and 42-A of the Act ;
- (vii) he does not claim any refund of tax for the assessment year and he has not been detected for evasion or has not committed evasion of tax during the assessment year for which self assessment is being made.

Provided that the following categories of dealers shall not be covered under this scheme:—

- (a) a newly registered dealer in whose case, not regular assessment has made so far ; and
- (b) a dealer whose business has been closed and is to be assessed for the last year of his business.

4. *Eligible dealer to file statement of self-assessment etc. and exception of small dealers.*—A dealer eligible for self-assessment under this Scheme may file, in duplicate, a statement of self-assessment to the appropriate Assessing Authority in Form S. A. S. I. and the statement of goods purchased/received for sale during the assessment year from other dealers in Form S. A. S. -II, alongwith the trading account and statutory declarations and certificates under the Central Sales Tax Act, 1956, by 31st March, 2004 for any assessment year previous to the assessment year 2003-04 and by 31st March following every assessment year subsequent to the assessment year 2002-2003 ;

Provided that a dealer having his gross turnover during the assessment year upto ten lac rupees shall not be required to file information in Form S. A. S.-II, Part-I, but he shall furnish the following certificate :—

"I/We hereby declare that I/We have in my/our possession all the certificates in form ST-XXV and the declarations prescribed under the Central Sale Tax Act, 1956 which shall be preserved for a period of three years from the close of the assessment year"

5. *Assessing Authority to acknowledge receipt.*—On receipt of statement of self assessment in the Form S. A. S.-I or S. A. S.-II. or both as the case may be, alongwith trading account, in duplicate, the appropriate Assessing Authority shall give acknowledgement receipt to the dealer under his signatures and seal of office.

6. *The acknowledged statement of self assessment to be final assessment order except in certain cases.*—Subject to the provisions of para 7 of this Scheme, the statement of self-assessment filed by the dealer in Form S. A. S-I, which is duly acknowledged by the appropriate Assessing Authority, shall be deemed to be the assessment order under the Act except when there exists on record a definite information that the dealer has, during the assessment year, concealed any part of his turnover or committed evasion of tax payable under the Act or misused any declaration forms.

7. *Assessing Authority to take up certain cases for scrutiny.*—Notwithstanding anything to the contrary contained in this Scheme, statement of self-assessment filed under para-4 may, subject to the orders of the Commissioner, be subjected to random sampling for regular assessment upto 20% of the total number of cases received and such random sampling shall be completed by 31st May, 2004 for any assessment year previous to the assessment year 2003-04 and by 30th June following for every assessment year 2003-2004 and by 30th June following for every assessment year subsequent to the assessment year, 2002-2003 :

Provided that in case of dealers having gross turnover upto ten lac rupees, such random sampling may be upto 5%.

8. *Dealer not required to file declarations etc.*—If any dealer, eligible for self assessment under this Scheme opts to file the statement of self-assessment in Form S.A.S.-I, he shall not be required to furnish to the appropriate Assessing Authority, the declaration or certificate referred to in section 6-A of the Act but shall preserve the same with him for a period of three years from the close of the assessment year :

Provided that such a dealer shall furnish to the appropriate Assessing Authority, the declarations or certificates in Forms 'C', 'D', 'E-I', 'E-II', 'F' and 'H', as the case may be, under the Central Sales Tax Act, 1956.

9. *Exceptions.*—Nothing contained in this Scheme shall affect the applicability of the provisions of sections 15 and 31 of the Act.

10. *Repeal and saving.*—(1) The Himachal Pradesh General Sales Tax Self- Assessment Scheme "Sadbhavana-2002" is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or any order made under the Scheme so repealed shall be deemed to have been done or taken or made under the corresponding provisions of this Scheme.

APPENDIX

FORM-S.A.S.-I

[See clauses (iii) and (iv) of para 2 and para 4]

STATEMENT OF SELF ASSESSMENT OF SALES TAX FOR THE YEAR.....

Name of the dealer.....

Address of the dealer.....

Registration Certificate No. under the HPGST Act/CST Act.....

Account books maintained (i).....(ii).....
(iii).....(iv).....
(v).....(vi).....

1. Gross turnover

Rs.....

2. Deductions from the Gross turnover:—

(i) Inter-State Sales	Rs.....
(ii) Amount of Sales Tax included in (i) above [under section 6(3)(b)].	Rs.....
(iii) Turnover of tax free goods [under section 6(3)(a)(i)]	Rs.....
(iv) Turnover of tax paid goods [under section 6(2) proviso].	Rs.....
(v) Turnover of goods exempted (under section 6(3)(a)(v) and (vi)).	Rs.....
(vi) Turnover of goods sold as raw material etc. to the industrial units (under section 42-B)	Rs.....
Total (i) to (vi) above.	Rs.....

3. Taxable turnover (1-2)

Rs.....

4. Self assessment of tax on the taxable turnover
(Give tax rate-wise split-up)—

	Taxable turnover	Tax assessed
(i) Taxable turnover @ 1% (i.e. turnover of goods sold as raw material etc. to industrial units at concessional rate of 1% under section 42-B).	Rs.....	Rs.....
(ii) Taxable turnover @ 4% (i.e. the turnover of goods sold to Govt. at concessional rate upto 4%).	Rs.....	Rs.....
(iii) Taxable turnover @ 12%	Rs.....	Rs.....
(iv) Taxable turnover @ 8%	Rs.....	Rs.....
(v) Taxable turnover @ 4%	Rs.....	Rs.....
(vi) Taxable turnover @ 3.5%	Rs.....	Rs.....
(vii) Taxable turnover @ 3%	Rs.....	Rs.....
(viii) Taxable turnover @—	Rs.....	Rs.....
(ix) Taxable turnover @—	Rs.....	Rs.....
(x) Taxable turnover @—	Rs.....	Rs.....
(xi) Taxable turnover @—	Rs.....	Rs.....

5. (a) Total amount of self-assessed tax as per 4 above

Rupees.....

(b) Interest voluntarily paid u/s 17-A

Rupees.....

(c) Penalty u/s 12 for late filing of returns

Rupees.....

(d) Total amount (a+b+c)

Rupees.....

6. Amount of tax etc. paid for the assessment year :

Sl. No.	Challan No. and Date	Amount	Treasury/Bank
(i)			
(ii)			
(iii)			
(iv)			
Total Rs.			

7. Particulars under Central Sales Tax Act, 1956 :—

- (i) Gross turnover of interstate sales Rs.....Treasury/Bank
- (ii) Central Sales Tax as self-assessed Rs.....Challan No.
- (iii) Other amounts payable (specify here) Rs.....and Date.....
- (iv) Central Sales Tax paid Rs.....

(Amount paid should not be less than the amount of tax self-assessed)

8. Details of gross turnover/tax paid for the preceding year(s).....

Year(s)	Gross turnover returned	tax paid.
	Rs.....	Rs.....
	Rs.....	Rs.....

9. Whether the gross turnover over the preceding year has increased ? Yes/No

10. Whether the tax paid during the assessment year has increased as compared to the preceding year ? Yes/No

DECLARATION

I, We hereby declare that :—

- (i) the above statements are true and correct and no part thereof is false and nothing material has been concealed therefrom ;
- (ii) I am / We are eligible to file the statement of self assessment in Form S.A.S.-I ;
- (iii) I/We have in my/our possession all the declarations and certificates, referred to in section 6(2), (3), and other provisions of the Act, on the basis of which exemption/

concession of sales tax has been claimed in the returns filed and the statement of self assessment made as above, and I/we undertake to preserve the same for a period of three years from the close of the assessment year ;

- (iv) I am /We are dealer having gross turnover upto Rs. 10 lakhs and I/we have in my/our possession all the declarations and certificates prescribed under the Central Sales Tax Act, 1956 ;
- (v) I am /We are enclosing the declarations/certificates as required under the Central Sales Tax Act, 1956 ; and
- (vi) The trading account in respect of the assessment year is enclosed.

*Signature of the Dealer/Proprietor/Partner/
Authorised signatory with stamp.*

Place.....

Dated.....

Strike out whichever is not applicable.

FORM S.A.S.-II

PART-I

[Clause (iii) of para 2 and paras 4 and 5]

(To be filed only by eligible dealers with gross turnover exceeding Rs. 10 lakhs during the assessment year.....)

STATEMENT OF (i) ALL GOODS PURCHASED DURING THE ASSESSMENT YEAR FROM OTHER DEALERS IN HIMACHAL PRADESH FOR WHICH CERTIFICATES IN FORM S.T. XXV HAVE BEEN OBTAINED, AND (ii) ALL GOODS RECEIVED FOR SALE DURING THE ASSESSMENT YEAR FROM DEALERS OUTSIDE HIMACHAL PRADESH

1. Name and address of the dealer.....
2. Registration Certificate Number.....

Sl. No.	Name and address of the dealer from whom purchased	Registration-Certificate No. of dealer in column No. 2	Total amount of purchases during the entire year
1	2	3	4

(Please attach extra sheets, if space is inadequate).

Total.....

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statement is true and complete and I/we have in our possession all the Certificates in form S.T. XXV which shall be preserved for the period of three years from the close of the assessment year.

*Signature of the Dealer/Proprietor/Partner/
Authorised signatory with stamp.*

Place.....

Date.....

PART-II

STATEMENT SHOWING DETAILS OF DECLARATION AND CERTIFICATE IN FORM "C", "D", "E-I" OR "E-II" OR "F" AND "H" IN RESPECT OF TRANSACTIONS UNDER THE CENTRAL SALES TAX ACT, 1956

(To be filled in by the dealers having gross turnover upto Rs. 50 lakhs).

Sl. No.	Category of Form	Sl. No. of Forms	Amount	
			Rs.	P.
1	2	3	4	

(Please attach extra sheets, if space is inadequate).

DECLARATION

I/We hereby enclose herewith the forms in original.

*Signature of the Dealer/Proprietor/Partner/
Authorised signatory with stamp.*

Place.....

Date.....

**EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT
HIMACHAL PRADESH**

ACKNOWLEDGEMENT

Received from M/s.....holding Registration
Certificate Number.....(Complete Address).....

(a) A statement of self-assessment in Form S.A.S.-1 ;

*(b) A Statement of purchase in part-I of Form S.A.S.-II (if applicable) ;

*(c) Trading Account ;

*(d) Statutory declaration and certificates under the Central Sales Tax Act, 1956 of the assessment year.....(alongwith covering list) in Part-II of Form S.A.S.-II.

This statement shall be deemed to be the financial assessment order as follow, unless any information to the contrary is sent to him by the appropriate Assessing Authority by 31st May, 2004 for any assessment year previous to the assessment year 2003-04; and by 30th June following every assessment year subsequent to the assessment year 2002-03, under para 6 of the Self Assessment Scheme :—

(i) Gross turnover :

Rs.....

(ii) Tax

Rs.....

Appropriate Assessing Authority
(Seal).

Circle.....

District.....

Place.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

By order,

Sd/-

Principal Secretary.